सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 54 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 29 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डॉ. अब्दुल कलाम

बड़े बहुमत के साथ सत्ता में फिर... 8 | बीजेपी सरकार का अल्पसंख्यकों का... 3 | भाजपा के एक बड़े नेता ने बताया... 7

बजी कर्नाटक विधानसभा चुनाव की रणभेरी

तारीखों का ऐलान
10 मई को मतदान
13 को मतगणना

कुल 224 विधानसभा सीटें , मुख्य दल-भाजपा, कांग्रेस व जेडीएस

» कुल मतदाता 5,21,73,579

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया है। कर्नाटक में 10 मई को एक ही चरण में मतदान होगा। वहीं 13 मई को चुनाव परिणाम आएंगे। कर्नाटक में कुल 224 विधानसभा सीटें हैं।

वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का शासन है, तथा बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस है जबकि जेडीएस तीसरी सबसे बड़ी पार्टी हैं। उधर चुनाव के घोषणा होते ही सभी राजनैतिक दल तैयारी में जुट गए। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने यह घोषण की।

80 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं को घर से वोट डालने की सुविधा

240 मतदान केंद्र बनेंगे मॉडल पॉलिंग स्टेशन

चुनाव आयोग ने कहा करीब 1,320 मतदान केंद्रों पर केवल महिला कर्मचारी मौजूद रहेंगी। इससे हम महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दे रहे हैं। हम 240 मतदान केंद्रों को मॉडल पॉलिंग स्टेशन बनाएंगे। युवाओं को मतदान केंद्रों पर लाने के लिए 224 मतदान केंद्र सिर्फ युवाओं द्वारा संचालित किया जाएगा। कर्नाटक में कुल मतदाताओं की संख्या 5,21,73,579 है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या लगभग 2.6 करोड़ है। 80 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं को घर से वोट डालने की सुविधा मिलेगी। प्रदेश में लगभग 9.17 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। वोटिंग के लिए प्रदेशभर में कुल 58,282 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इनमें से 20,868 पोलिंग बूथ शहरी इलाकों में हैं। 29 हजार से ज्यादा पोलिंग बूथ पर वेबकास्टिंग की जाएगी। कर्नाटक में 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 80, जेडीएस ने 37 और भाजपा ने 104 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अन्य के खाते में तीन सीटें गई थीं। प्रदेश में 80+ मतदाताओं की संख्या 12.15 लाख और 100+ मतदाताओं की संख्या 16,976 है। चुनाव आयोग ने कहा कि वह आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय दल के दर्जे की समीक्षा कर रहा है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 का कार्यक्रम

कार्यक्रम	तिथि
अधिसूचना जारी होने की तिथि	13 अप्रैल, 2023
नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि	20 अप्रैल, 2023
नामांकन पत्रों की छंटनी की तिथि	21 अप्रैल, 2023
नामांकन पत्र वापसी की अंतिम तिथि	24 अप्रैल, 2023
मतदान की तिथि	10 मई, 2023
मतगणना / चुनाव परिणाम की तिथि	13 मई, 2023

वायनाड सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तारीख के ऐलान के दौरान चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के बाद खाली हुई वायनाड सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की है। चुनाव आयोग ने कहा कि वायनाड उपचुनाव को लेकर अदालती आदेश के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 2015 की धारा 151ए के अनुसार, संसद और राज्य विधानसभाओं में रिक्त सीटों पर उपचुनाव सीट के खाली होने के छह महीने के भीतर होना चाहिए।

लालू परिवार को कोर्ट से राहत

» कोर्ट का आदेश-चार्जशीट की कॉपी सौंपे सीबीआई

» 8 मई को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नौकरी के बदले जमीन मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू परिवार को एक बार फिर से राहत दे दी है। कोर्ट ने आदेश देते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सभी आरोपितों को चार्जशीट की कॉपी मुहैया कराने को कहा है। इसी के साथ मामले की सुनवाई के लिए 8 मई की तारीख निर्धारित की है।

बता दें कि 15 मार्च को नौकरी के बदले जमीन मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और मीसा भारती को राहत देते हुए 50 हजार रूपये के मुचलके पर जमानत दे दी थी। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 29 मार्च को रखी थी। बुधवार को बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती दिल्ली की अदालत में पेशी के लिए पहुंचीं। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में ईडी और सीबीआई की जांच से घिरे राजद सुप्रीमो लालू यादव सोमवार को ही दादा बने हैं।

ईडी ने 600 करोड़ के घोटाले का किया दावा

इस मामले में पिछले दिनों सीबीआई ने लालू परिवार के सदस्यों से पूछताछ की थी। इसे बाद ईडी ने पटना, दिल्ली, रांची समेत कई जगहों पर छापेमारी की। ईडी ने अभी तक 600 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मिलने का दावा किया है। ईडी के अनुसार, अपराध से बनाई संपत्तियों में से 350 करोड़ की अचल संपत्ति है, जबकि 250 करोड़ रुपये बेनामी लोगों के माध्यम से लालू यादव के परिवार के सदस्यों के पास आये थे।

मोहम्मद फैजल फिर लक्षद्वीप से सांसद

» दोषी पाए जाने के बाद गई थी लोस की सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राकांपा नेता मोहम्मद फैजल की लोकसभा सदस्यता फिर बहाल कर दी गई है। लोकसभा सचिवालय ने नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी। इसी के साथ फैजल फिर से लक्षद्वीप से सांसद पद पर हैं। गौरतलब है कि इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी फैजल ने याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई जारी है।

क्या है पूरा मामला

कावरत्ती की एक अदालत ने एनसीपी सांसद मोहम्मद फैजल को हत्या के एक मामले में दोषी ठहराया था और उन्हें 10 साल की सजा सुनाई थी। जनप्रतिनिधि कानून के तहत 2 साल या उससे ज्यादा की सजा होने पर संसद सदस्य या विधानसभा सदस्य की सदस्यता रद्द हो जाती है। ऐसे में कानून के तहत मोहम्मद फैजल की संसद सदस्यता रद्द हो गई। 11 जनवरी 2023 को अदालत ने मोहम्मद फैजल को हत्या का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई और 13 जनवरी को लोकसभा सचिवालय ने नोटिफिकेशन जारी कर उनके संसद सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। वहीं स्थानीय अदालत के फैसले के खिलाफ मोहम्मद फैजल ने केरल हाईकोर्ट में अपील दायर की, जहां से 25 जनवरी को उनकी सजा पर स्टे लग गया।

पिछड़ों की बात करने वाली भाजपा नहीं करती ओबीसी का सम्मान : बघेल

» छत्तीसगढ़ के सीएम बोले- अखिलेश के बंगला छोड़ने पर गंगाजल से किसने शुद्ध कराया

» देश में तानाशाही चल रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा द्वारा पिछड़ों का मुद्दा उठाने पर उसी को घेरा है। कांग्रेस के नेता ने कहा कि बीजेपी बाते बड़ी-बड़ी करती है जबकि अपने कृत्यों को नही देखती उन्होंने कहा भाजपा बताये खुद को पिछड़ों का हिमायती बताने वाली पार्टी ये बताये जब अखिलेश यादव ने बंगला छोड़ा था तो उसे गंगाजल से किसने शुद्ध कराया।

अगर भाजपा आरक्षण को लेकर इतनी गंभीर है तो बताए कि छत्तीसगढ़ राजभवन में बिल क्यों रोक रखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछड़ों के सम्मान या अपमान की बात कैसे कर सकती है? भूपेश बघेल लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय पर मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

देश में तानाशाही चल रही है। मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा दी गई है। अदाणी का मुद्दा उठाने के कारण राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की गई है। भाजपा को बताना चाहिए कि वो जांच से क्यों डर रही है। पूरी भाजपा अदाणी का बचाव क्यों कर रही है? राहुल गांधी के संसद में अदाणी से जुड़े भाषण को हटा दिया गया है। पहली बार सत्ता पक्ष ने तीन दिनों तक लोकसभा नही चलने दी और इसके बाद मानहानि के मामले में दो साल की अधिकतम सजा दी गई है।

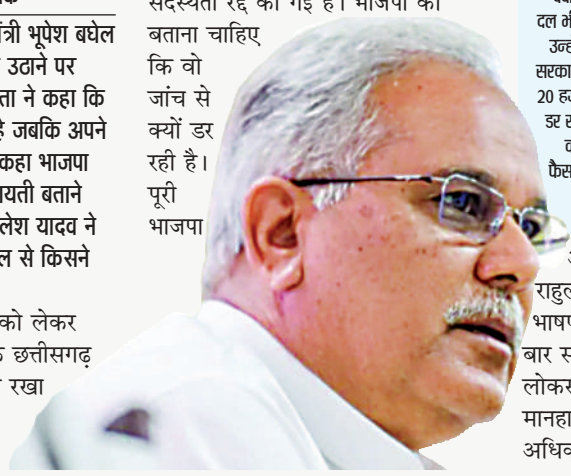

लोकतंत्र को दबा रही मोदी सरकार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज देश मे लोकतंत्र को दबाकर संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए किसी भी हद तक जा रही है। संघ के एक बड़े नेता विरोधियों को दबाने का तरीका मुसोलिनी से सीखने गए थे। विपक्षी दल भी राहुल के खिलाफ कार्रवाई का विरोध कर रहे है। उन्होंने कहा कि अदाणी के खिलाफ आवाज उठाने पर सरकार को क्या दिक्कत है? अदाणी की कंपनी में आया 20 हजार करोड़ रुपये किसका है? सरकार जांच से क्यों डर रही है? उन्होंने कहा कि हम अदाणी से जुड़े मामले को जनता के बीच लेकर जाएंगे। हम न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हैं। राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने के मामले में विपक्ष भी हमारे साथ है।

खुद को भ्रष्टाचार का विरोधी बता कर छवि चमकाना बंद करें पीएम : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर आज (29 मार्च) निशाना साधा, उन्होंने ट्वीट करके उनको कई मुद्दों पर घेरने की कोशिश की। खरगे ने अपने ट्वीट में सवाल करके पूछा, अडानी की कंपनी में लगाए गए 20 हजार करोड़ रुपये किसके हैं? उन्होंने पूछा, ललित मोदी, नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, विजय माल्या, जतिन मेहता आदि क्या आपके भ्रष्टाचारी भगाओ अभियान के सदस्य हैं? उन्होंने पूछा कि क्या आप इस गठबंधन के संयोजक है? खरगे ने पीएम को संबोधित करते हुए कहा, आप खुद को भ्रष्टाचार का विरोधी बता कर अपनी छवि चमकाना बंद कर दीजिए।

अपने गिरेबान में भी झांके पीएम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने दूसरे ट्वीट में पीएम पर और कड़े हमले बोलते हुए पूछा, कर्नाटक में आपकी सरकार पर 40 प्रतिशत कमीशन के आरोप क्यों है? मेघालय में आप की सरकार ने भ्रष्टाचारी सरकार के साथ गठबंधन क्यों किया है? उन्होंने कहा कि राजस्थान में संजीवनी कोऑपरेटिव घोटाले, मध्य प्रदेश के पोषण घोटाले में और छत्तीसगढ़ में नान घोटाले में बीजेपी नेता क्यों शामिल हैं?

फडणवीस की वजह से बदली उद्धव ठाकरे सरकार : सावंत

» कैबिनेट मंत्री ने किया दावा- 100-150 बैठकें हुईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री तानाजी सावंत ने बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर महाराष्ट्र में सरकार बदली। बता दें कि जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना विधायकों ने बगावत कर दी थी, जिसके चलते उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार गिर गई थी। इसके बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना और भाजपा के गठबंधन में नई सरकार बनी, जिसमें देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री हैं।

महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री तानाजी सावंत ने एक ओस्मानाबाद में एक जनसभा के दौरान बोलते हुए कहा कि हमारी (शिंदे गुट के नेताओं की) और देवेंद्र फडणवीस की बैठकें हुईं...। मैं

और मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दो साल में 100 से 150 बैठकें की। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस के आदेश पर शिवसेना और भाजपा ने ओस्मानाबाद जिला परिषद का चुनाव साथ लड़ा और यहीं से गठबंधन की शुरुआत हुई। सावंत ने कहा कि उन्होंने ही पहले जाकर मातोश्री में बगावत का बिगुल बजाया था। सावंत ने ये भी कहा कि कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाना राज्य की 12 करोड़ जनता का अपमान था, जिन्होंने शिवसेना-भाजपा के गंठबंधन को वोट दिया था।

महंगी गैस पर पक रहा मुफ्त का चावल : ममता

» मोदी सरकार की नीति की वजह से आर्थिक बदहाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फिर एक बार केंद्र सरकार पर आर्थिक बदहाली और महंगाई का आरोप लगाते हुए तंज कसा। मुख्यमंत्री ने द्विजेंद्रलाल राय की कविता नंदलाल की कविता पर तुकबंदी करते हुए कहा, अरे वाह रे वाह नंदलाल, 1149 रुपये की गैस पर पके मुफ्त का चावल। ममता बनर्जी ने कहा कि कहां गई प्रधानमंत्री की उज्जवला योजना। दरअसल मुख्यमंत्री पहले भी महंगाई और बकाया पैसों को लेकर केंद्र पर हमला बोला है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी पर अनोखे तरीके से तंज कसा। ममता बनर्जी ने कहा केंद्र सरकार के बारे तो क्या ही कहे। हमने बचपन एक कविता पढ़ी थी।

वो द्विजेंद्रलाल राय की कविता नंदलाल। ममता बनर्जी ने उसी कविता वाह रे नंदलाल की पंक्तियों को महंगाई के संदर्भ में कहा। ममता बनर्जी ने कहा,%वाह रे नंदलाल,1149 रुपये के गैस पर पके मुफ्त का चावल। वाह रे वाह नंदलाल, वाह रे वाह नंदलाल। इससे पहले ममता बनर्जी केंद्र से मिलने वाले मुफ्त चावल और ऊंची गैस कीमतों को लेकर केंद्र के खिलाफ उतर चुकी हैं।

जीएसटी के नाम पर पैसे लूटता है केंद्र

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा केंद्र जीएसटी के नाम पर राज्यों से पैसा लेता है, लेकिन बंगाल में परियोजनाओं के लिए एक पैसा नहीं देता। ममता ने यह भी टिप्पणी की कि जीएसटी का समर्थन करने का फैसला गलत था। उन्होंने कहा, %ग्रामीण सड़कों पर करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सारे पैसे राज्य सरकार को लगाने होंगे। पैसा नहीं है। जीएसटी के बाद का सारा पैसा दिल्ली ले लेती है। लेकिन बंगाल परियोजना के लिए पैसा रोक लिया गया। ममता बनर्जी ने कहा केंद्र ने अब 100 दिन का भत्ता, आवास भत्ता, छात्र भत्ता देना बंद कर दिया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

खुद को संविधान, अदालत और संसद से ऊपर मानते हैं राहुल : वैष्णव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को को कहा कि राहुल गांधी इस देश पर राज करना अपना हक मानते हैं। वह हक की राजनीति करते हैं। वह सोचते हैं कि क्योंकि उनका जन्म एक खास परिवार में हुआ है, इसलिए वह संविधान, अदालत और संसद से ऊपर हैं। वह खुद को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से भी ऊपर मानते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा,जो लोग आज अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को लोकतंत्र के खिलाफ बताना चाहते हैं। जो लोग भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं, उन्हें याद करना चाहिए कि किस तरह से यूपीए की सरकार में करप्शन करके इंस्टीट्यूशंस को कमजोर करने का बड़ा षडयंत्र किया गया था। इस देश को लूटा गया था। जो इंस्टीट्यूशंस की बात करते हैं, वो बताएं कि क्या जब देश के प्रधानमंत्री विदेश का दौरा कर रहे थे। उस दौरान एक ऑर्डिनेंस को प्रेस कॉन्फ्रेंस में फाड़कर इंटीट्यूशंस बनता है? राहुल गांधी सोचते हैं कि किसी भी कोर्ट उनके खिलाफ जजमेंट कैसे दे दिया? उनको लगता है कि संविधान में आर्टिकल 102 में अयोग्य होने का प्रावधान है तो उनके ऊपर लागू नहीं होना चाहिए। अगर कोई संविधान प्रावधान है, तो उनपर नहीं लागू होना चाहिए। क्योंकि वो मानते हैं कि देश पर राज करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है।

कर्नाटक में आरक्षण दांव

बीजेपी सरकार का अल्पसंख्यकों का चार फीसद कोटा खत्म करना कितना उचित !

- कांग्रेस ने कहा सता में आए तो फिर करेंगे बहाल
- लिंगायत व वोकलिंगा वोट पर नजर, इडब्ल्यूएस में कोटा बढ़ाने की योजना
- कांग्रेस की नजर रिटायर्ड सैनिकों पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

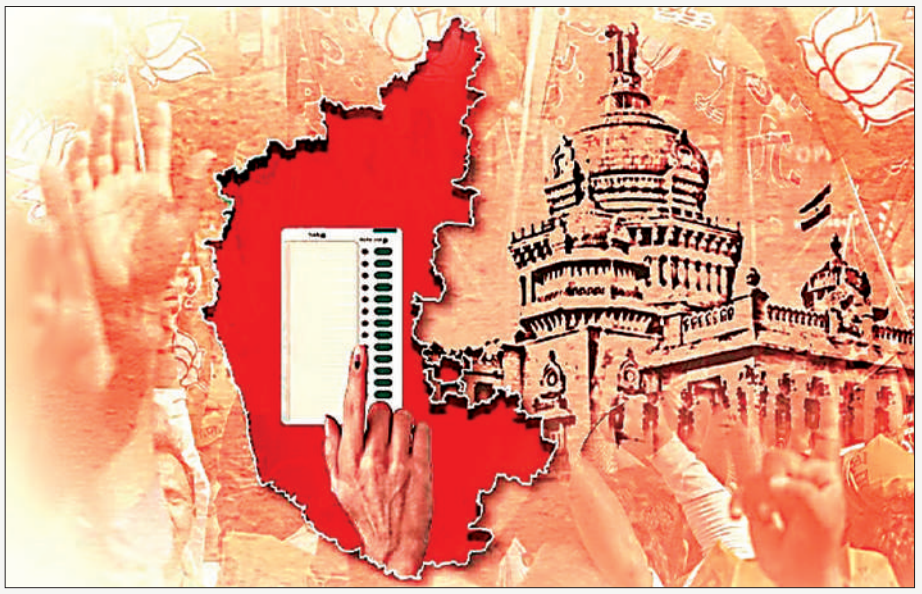

बंगलुरू। कर्नाटक चुनाव होने में अब एक दो महीने ही रह गए हैं। लगता है बीजेपी फिर वापसी की फिराक में लग गई है। इसके लिए एक तरफ वह देश में मुस्लिमों को अपने पक्ष में करने की कोशिश में दिख रही है तो दूसरी तरफ कर्नाटक में अल्पसंख्यों को मिलने वाले 4 फीसद आरक्षण को खत्म करने का फैसला कर उसे इडब्ल्यूएस कोटे देने का ऐलान कर रही है। सियासी जनकारों की माने तो यह दांव भाजपा ने अगले चुनाव को नजर में रखकर चला है। चूकि वहां लिंगायत व वोकलिंगा समुदाय की संख्या बहुतायत में और उसपर सभी की नजर है ऐसें में बीजेपी ने ये फैसला इन दोनों को साधने के लिए लिया है।

इससे वोटों का ध्रुवीकरण होगा और बीजेपी फिर सत्ता में आ जाएगी। हालांकि अभी कहना जल्दबाजी होगी पर जो भी भाजपा ने दांव तो चल दिया है। अब देखना होगा कांग्रेस क्या पलटवार करती है ताकि भाजपा को पटखनी मिल सके। ज्ञात हो कर्नाटक की बोम्मई सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य में अल्पसंख्यकों को मिलने वाले 4 फीसदी आरक्षण को खत्म कर उसे ईडब्ल्यूएस कोटे में लाने का फैसला किया है। पहले से ही राज्य में सुलतान टीपू और सावरकर मुद्दे पर काफी विवाद होता रहा है। ऐसे में जबकि एक दो दिन के अंदर चुनाव का ऐलान हो सकता है, कर्नाटक सरकार की तरफ से लिया गया ये फैसला पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। बीजेपी दक्षिण भारत में लगातार अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है,तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, पुडुच्चेरी और बाकी जगहों पर बीजेपी अपनी पैठ मजबूत करने के लिए ये सियासी दांव खेला है। तमिलनाडु और कर्नाटक में रिटायर्ड आर्मी मेन की संख्या काफी ज्यादा है। उधर जाकर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की तरफ से बार-बार ये कहा जा रहा है कि ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर आएंगे। ओल्ड पेंशन स्कीम कांग्रेस की सरकार ही लेकर आई थी। इसलिए, कांग्रेस की तरफ से ये कहा जा रहा है कि जैसे 2003 के पहले पेंशन मिल रही थी, ठीक वही बहाल करेंगे। ऐसे मुफ्त चुनाव घोषणाएं कांग्रेस की तरफ से काफी तेजी के साथ की जा रही थी। इसी को रोकने के लिए बीजेपी की तरफ से ये राजनीति से प्रेरित एक बड़ा कदम है। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण बड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में बीजेपी की तरफ से ये सिग्नल भेजा गया है कि अगर इस बार हम आ जाएंगो तो 2 फीसदी वोकलिंगा और 2 फीसदी लिंगायत को ये आरक्षण बांट देंगे।

शाह भी जता चुके हैं विरोध

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद कहा है कि कांग्रेस एक राजनीतिक मजबूरी के तहत जान बूझकर 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण लेकर राज्य में आई थी, जो असवैधानिक कदम था। दूसरी बात ये है कि आखिर कर्नाटक की बोम्मई सरकार की तरफ से अचानक ये फैसला क्यों किया गया है? दरअसल, एक-दो दिन में चुनाव आयोग कर्नाटक चुनाव को लेकर तारीखों का ऐलान करेगा। ऐसे में एक तरफ जहां कांग्रेस ने चुनाव से पहले वोटरों को लुभाने के लिए 2 हजार देंगे, 3 हजार देंगे, ओल्ड पेंशन स्कीम फिर बहाल करेंगे, जैसे रिझाने वाले वादे किए और जो संभव नहीं हो कांग्रेस की तरफ से ऐलान किया जा रहा था।

क्या होगा राजनीतिक असर?

जिस तरह यूपी, बिहार में ठाकुर-ब्राह्मण और भूमिहार का दबदबा रहा है, ठीक उसी तरह से दक्षिण भारत खासकर कर्नाटक में वोकलिंगा और लिंगायत समुदाय का काफी दबदबा है। कुल वोट का 13 फीसदी लिंगायत का वोट है जबकि करीब 10 फीसदी वोट वोकलिंगा का है। इन दोनों समुदाय की आरक्षण की मांग काफी पुरानी है। ये लोग करीब 20 फीसदी आरक्षण की मांग करते आए हैं। ऐसे में बोम्मई सरकार के इस फैसले के बावजूद वोकलिंगा और लिंगायत समुदाय के लोग असंतुष्ट हैं। उनका ये कहना है कि हमने 20 फीसदी आरक्षण की मांग की थी और आपने 2 फीसदी आरक्षण दिया। इसके बाद उन्होंने आंदोलन शुरू कर दिया. हुबली में पत्थरबाजी भी शुरू कर दी। इसलिए उनके गुस्से को ठंडा करने के लिए ये आरक्षण दिया गया है।

कांग्रेस को होना होगा सतर्क

कांग्रेस ने ये ऐलान किया है कि अगर वे कर्नाटक में सत्ता में आती है तो ओबीसी मुसलमानों को पहले की तरफ चार फीसदी आरक्षण फिर से बहाल किया जाएगा। लेकिन कांग्रेस को ये दांव उल्टा भी पड़ सकता है क्योंकि वोकलिंगा और लिंगायत समुदाय के वोटर कांग्रेस के इस ऐलान से छिटक सकते हैं। यही बीजेपी का असल खेल है। मल्लिकार्जुन खड़गे जो हाल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं, उन्हें भी मुसलमानों की तरफ से चार फीसदी आरक्षण लेकर वोकलिंगा और लिंगायत समुदाय को दिया जाना, दुविधा में डाल दिया है. बीजेपी के चुनावी घोषणा पत्र में भी ये रहा है, पांच साल पहले बीजेपी ने तो ये चुनावी वायदे किए थे।

ध्रुवीकरण करने की कोशिश

इसमें बीजेपी फायदा उठाने की कोशिश करेंगी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का खेल है। आपको याद होगा का सलमान खुर्शीद ने 2013 में यूपी के अंदर मुसलमानों के लिए चार फीसदी आरक्षण लेकर आए थे. बीजेपी ने उसका भी विरोध किया था।आज बीजेपी ने 2-2 फीसदी आरक्षण को बांटकर हिन्दुत्व को अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। ये गृह मंत्री का खुला संदेश है। टीपू सुलतान विवाद की काट के लिए भी बीजेपी ने कर्नाटक के अंदर ये राजनीतिक पत्ता खेला है, मुझे लगता है कि ये चुनावी मुद्दा आने वाले दिनों में और ज्यादा गर्म होगा। आपको याद होगा, हिजाब मुद्दा में जो विवाद हुआ था उस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया। लेकिन, आरक्षण को खत्म करने का मतलब ये है कि हिन्दुत्व को बीजेपी ने आगे बढ़ा दिया है। जैसे गुजरात है वैसे ही दक्षिण भारत में कर्नाटक को बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए एक छोटा गुजरात माना जाता है। भारतीय जनता पार्टी का ये एक तरह से सियासी दांव है। ये एक तरह से पत्ता खेलना है। आप सिक्का मारो, जमीन पर फूले गिरेगा नहीं तो सिक्का तो गिरेगा ही। ये राजनीति का खेल है, कांग्रेस अगर खेल सकती है तो फिर बीजेपी नहीं खेल सकती है क्या? इसलिए मुझे लगता है कि अमित शाह का ये जान बूझकर बहुत सावधानी से लिया गया फैसला है। ये एक खतरनाक खेल है, लेकिन ये खेल कर दिया गया है, चुनाव से ऐन पहले।

सत्ता के लिए जरूरी है विपक्ष, दोनों के सहयोग से बनता है देश

बदले की कार्रवाई

- वोटों पर होती है सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा अपने कांग्रेस मुक्त भारत के एजेंडे को अमलीजामा पहनाने की कवायद में जुटी नजर आती है। लेकिन यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि राहुल गांधी न केवल सड़क बल्कि संसद में भी केंद्र की रीति-नीतियों को लेकर आक्रामक प्रतिरोध दर्ज कराते रहे हैं। पिछले दिनों कन्याकुमारी से कश्मीर तक की उनकी पदयात्रा को पूरे देश में सकारात्मक प्रतिसाद मिला था। वे विभिन्न मंचों व स्थानों से लगातार प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी पर हमलावर रहे हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष अनिवार्य शर्त है। मुखर विपक्ष एक मार्गदर्शक और सचेतक का काम करता है। वह सत्तापक्ष को निरंकुश व्यवहार करने से रोकता है। किसी भी देश में सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की खूबसूरती को दर्शाता है। सही मायनों में लोकतंत्र राजतंत्र, कुलीनतंत्र और किसी व्यक्ति केंद्रित शासन के विपरीत सहभागिता-सहयोग का पक्षधर होता है।

हालांकि कहना कठिन है कि यह संयोग है या सुनियोजित पटकथा कि गुजरात की एक अदालत ने मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ सज़ा तब सुनाई, जब ब्रिटेन में उनके भारतीय लोकतंत्र के बाबत दिये गये बयानों पर सत्तारूढ़ दल हमलावर बना हुआ है। बहरहाल, वर्ष 2019 में कर्नाटक की एक सभा में मोदी सरनेम को लेकर दिये गये कथित विवादास्पद बयान के बाबत सूरत कोर्ट में दर्ज मानहानि केस में गुरुवार को दो साल की सज़ा सुनाये जाने तथा शुक्रवार को उनकी सदस्यता रद्द करने को विपक्ष राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहा है। इसमें दो राय नहीं जब देश में बिखरा विपक्ष सत्ता की महत्वाकांक्षाओं को लेकर एकजुट नहीं हो पाया है तो ऐसे में राहुल गांधी ही भारी बहुमत से सत्ता में आई राजग सरकार से हर मामले में मोर्चा लेते रहे हैं। निस्संदेह, भारत जैसे विविध संस्कृति और धर्मों के देश में उदार लोकतंत्र की कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की है। आज़ादी के बाद कई दशकों तक भारतीय लोकतंत्र उसी राह पर चला। आपातकाल के अलावा भी आज़ादी के बाद देश की राजनीति में वर्चस्व के चलते कांग्रेस सरकारों के दौरान भी विपक्ष को दबाने तथा सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के मामले जब-तब प्रकाश में आते रहे।

लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत नहीं

हाल के दिनों में राजग सरकार में विपक्षी दलों के नेताओं की घेराबंदी के लिये जिस तरह आयकर विभाग, ईडी तथा सीबीआई का इस्तेमाल किया गया, उसे लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत कभी नहीं कहा जा सकता। सवाल उठाये जाते रहे हैं कि भाजपा शासित राज्यों के नेताओं के खिलाफ ये सरकारी एजेंसियां कार्रवाई क्यों नहीं करती? दूसरे दलों से आये दागी नेता भाजपा व अन्य सहयोगी दलों में आने पर दूध के धुले कैसे हो जाते हैं? राहुल गांधी व कांग्रेस को घेरने के लिये भी नेशनल हेराल्ड प्रकरण में छापेमारी चलती रही है। यह जानते हुए कि पार्टी के मुखपत्र नेशनल हेराल्ड के जरिये पार्टी अपने आर्थिक हितों का पोषण करती रही है, फिर भी उसे निशाने पर लगातार लिया जाता रहा है। बहरहाल, मानहानि मामले में राहुल गांधी को सज़ा और उनकी सदस्यता खत्म करने का मामला अगले कुछ समय तक तीखे राजनीतिक विमर्श का मुद्दा बनेगा। निस्संदेह, कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव व अगले साल होने वाले महासमर के चुनावों तक जायेगी। पार्टी राहुल गांधी को पीड़ित के रूप में जनता की चौखट तक ले जायेगी क्योंकि पार्टी को पता है देश की जनता के फैसलों की सहानुभूति जब-तब वोटों में तब्दील होती है। बहरहाल, इस प्रकरण से विपक्ष को भी सबक मिलेगा कि एकजुटता के साथ भाजपा व नरेंद्र मोदी का मुकाबला किया जा सकता है। कयास लगाये जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में देश में विपक्ष को एकजुट करने के अभियान में तेजी आयेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ये घटनाएं करती हैं शर्मसार

अब ताजा मामला बिहार के नवादा जिले में फिर सामने आई है। जिसमें पुलिसकर्मियों ने आर्मी के जवान को पीट दिया है। इस तरह की घटना सरकारों के ऊपर तो प्रश्न चिन्ह लगाते ही हैं समाज के अंदर बढ़ रही असहिष्णुता को भी दर्शाते हैं। ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए एक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता हैं।

पिछले कुछ दिनों में सेना या भूतपूर्व सैनिकों के साथ देश के अलग-अलग हिस्सें में अभ्रद्रता की खबरें आना आम हो गईं हैं। पहले बिहार के पटना के करीब एक भूतपूर्व सैनिकों की मुर्ति को लेकर पुलिस ने उनके परिवार को मारापीटा था। मामला इतना बढ़ा कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तक को हस्तक्षेप करना पड़ा था। अभी यह मामला शांत नहीं हुआ तो एक मामला राजस्थान में हो गया था जहां राज्य की गहलोत सरकार व मुख्य विपक्षी दल में राजनैतिक लड़ाई तक देखने को मिली थी। अब ताजा मामला बिहार के नवादा जिले में फिर सामने आई है। जिसमें पुलिसकर्मियों ने आर्मी के जवान को पीट दिया है। इस तरह की घटना सरकारों के ऊपर तो प्रश्न चिन्ह लगाते ही हैं समाज के अंदर बढ़ रही असहिष्णुता को भी दर्शाते हैं। ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए एक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता हैं। नवादा में दिनदहाड़े बिहार पुलिस की बर्बरता की तस्वीर सामने आई है।

जिले के काशीचक प्रखंड अंतर्गत शाहपुर ओपी क्षेत्र के शाहपुर चौक पर सोमवार को वाहन जांच के दौरान पुलिसकर्मियों ने एक आर्मी के जवान की बेहिसाब पिटाई कर दी। मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। लोग बीच-बचाव में आए, लेकिन पुलिसवाले रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। पुलिसवालों ने जवान पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसाई, जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मामले को लेकर बताया जाता है की आर्मी का जवान शेखपुरा जिला के मियनबिघा गांव का नंदन कुमार है। वह राजगीर स्थित कैंटीन से घर के लिए कुछ सामान लेकर आ रहा था। इसी दौरान शाहपुर चौक पर वाहन जांच कर रही स्थानीय पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका। बैग और मोटरसाइकिल की डिक्की खोलने को कहा। आर्मी जवान नंदन कुमार ने जांच के लिए बैग और डिक्की खोल दी, लेकिन पुलिस ने एक-एक सामान को निकाल कर दिखाने को कहा। इस पर आर्मी जवान ने पुलिस को खुद सामान निकालकर जांच करने के लिए कहा। इतने में पुलिसकर्मी लाठी-डंडे से आर्मी के जवान पर प्रहार करने लगे, जिसमें नंदन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पुलिस की बर्बरता देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों को सोचना चाहिए कि सैनिक अपनी जान पर खेलकर देश के आम लोगों की रक्षा करते हैं। शांति काल हो या युद्धकाल सैनिक हमेशा देश के लिए मुस्तैद रहते हैं ऐसे में हमें भी उनका खास ख्याल रखना चाहिए जब वह हमारे बीच में रह रहे हों।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कैसे बंद हो महिला प्रतिभाओं से खेल

जगमति सांगवान

देश की बेटियों ने पिछले दौर में रियो ओलंपिक व अन्य खेल मुकाबलों में जो शानदार प्रदर्शन किये वह समाज व सरकार को गर्वित करने वाली उपलब्धि थी, जिससे अभिभूत होकर स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अपनी सरकार के सूत्र नारे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' को 'बेटी खिलाओ' तक विस्तृत करने का ऐलान किया था। लड़कियों की इस कामयाबी के बाद होना यह चाहिये था कि देश व राज्यों में नए सिरे से महिला खेल नीतियां बनती जिनमें उनके लिए खेल सुविधाओं का पंचायत स्तर तक विस्तार, पर्याप्त बजट व उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों का प्रावधान होता। सर्वविदित है कि पितृसत्तात्मक समाज में देश की खिलाड़ी मैच खेलते वक्त केवल मुकाबला जनित तनाव को लेकर नहीं बल्कि अपनी सुरक्षा के बोझ को भी कंधों पर लेकर खेल मुकाबलों का कठिन अभ्यास करने को मजबूर हैं। लेकिन उक्त नारे का असर शायद मैदान पर नहीं हुआ। नतीजतन आज कई खेल आइकॉन अपने खेल को दांव पर लगाकर अस्मिता की रक्षा के लिए आवाज उठाने को मजबूर हैं।

ऐसा एक मामला तो प्रदेश में एक एथलीट व खेल विभाग में जूनियर कोच द्वारा मंत्री पर उत्पीड़न जैसे आरोपों में एफआईआर दर्ज करवाने का सामने आया। उससे हौसला पाकर बाद में कुश्ती की जानी-मानी खिलाड़ियों ने भी कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पर खिलाड़ियों के उत्पीड़न व भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जंतर-मंतर पर डटकर उसे पद से हटाने की मांग की। इन दोनों ही मामलों में सरकारों द्वारा पारदर्शी तरीके से आरोपों की जांच करवाने का संकल्प लिये जाने की अपेक्षा स्वाभाविक थी। लेकिन जांच के नाम पर कथित लीपापोती ही सामने आयी। दरअसल, खेलों में उत्पीड़न की गंभीर समस्या है। शिकायतों के चलते कुछेक मामले ही सामने आते हैं क्योंकि शिकायत दर्ज कराने पर पीड़िता का ही और अधिक उत्पीड़न होता है। इस जोखिम वाली स्थिति को बदलते हुए जांच की पद्धति शिकायत करने वाली महिलाओं व लड़कियों के अनुकूल बनानी होगी। उन्हें भरोसा भी दिलाना जरूरी है कि उनके कैरियर पर आंच नहीं आने दी जाएगी। बेहतर है कि न्यायपालिका की निगरानी में कोई जांच पद्धति अपनायी जाये।

हाल के प्रकरणों में सत्ता प्रतिष्ठानों का रवैया महिलाओं की खेलों में बढ़ती भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाला नहीं कहा जा सकता है। जहां बेटियों का भविष्य सुरक्षित ही नहीं होगा तो अभिभावक वहां अपनी बेटी को कैसे भेजेंगे। जो माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के लिए भेज रहे हैं वे इन घटनाक्रमों के चलते चिंताजनक दोराहे पर खड़े हैं।

इस पूरे प्रकरण ने खेल प्रेमियों व खेल के लिए काम करने वालों को भी निराश किया है। चूंकि इन केसों में संलिप्त आरोपी ऊंचे पदों पर हैं और संस्थाएं उनका कथित बचाव करती नजर आ रही हैं। दोनों मामलों में पीड़ित महिला खिलाड़ी इस उत्पीड़न को सार्वजनिक न करके पहले दोनों स्तरों पर सत्ता के शीर्ष पर आसीन हस्तियों के पास शिकायत करने गईं। वहां से जब अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली तभी उन्होंने मजबूरीवश एफआईआर करवाने व धरने का रास्ता अख्तियार किया। शिकायत दर्ज होने पर भी पहला कदम आरोपियों को उनके पदों से हटाना व भरोसेमंद तरीके से प्रकरण की जांच करवाना होना चाहिये। क्योंकि उक्त मामलों में आरोप 'पोजीशन ऑफ पॉवर' से किए गए अपराध हैं। पीड़िताओं के आरोपों के मुताबिक वही हुआ भी है, दोनों ही जगह शिकायतकर्ताओं को जान से मारने की धमकियां मिली हैं। पीड़ित जूनियर कोच ने लिखित शिकायत दी कि देश छोड़कर जाने के लिए करोड़ों रुपए ऑफर किए गए और मंजूर नहीं करने पर परेशान किया जा रहा है। मामले में सवाल ये भी उठे कि प्रदेश पुलिस के शीर्ष अधिकारी द्वारा शिकायत पर एसआईटी गठित कर दी गई, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं जांच टीम ने लगातार शिकायतकर्ता व उसके पिता के खिलाफ अनर्गल प्रचार किया। मामले में तंत्र द्वारा उठाए गए भरोसा तोड़ने वाले इन सभी कदमों की सामाजिक-राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई। अनेक जगहों पर आरोपियों को पद से हटाने की मांग के साथ धरना, प्रदर्शन हुए हैं। उधर विपक्ष ने भी विधानसभा में मंत्री को हटाने की मांग उठाई। दूसरी तरफ कुश्ती खिलाड़ियों की शिकायत से निपटने के लिए बनाई गई कमेटी के 'टर्म्स ऑफ रेफरेंस' कभी सार्वजनिक नहीं किए गए।

मामले में सिस्टम की कार्यप्रणाली के चलते पूरा वातावरण संदिग्ध बना हुआ है। जाहिर है इसके प्रभाव महिलाओं की खेलों में भागीदारी पर नकारात्मक ही होंगे। हमें समझना चाहिए कि खेलकूद अपने आप में लैंगिक भेदभाव दूर कर महिलाओं के आत्मविश्वास को बहाल करने वाली गतिविधि है। निःसंदेह इन्हीं खिलाड़ियों में से ब्राजील की फुटबॉल खिलाड़ी 'मार्ता' जैसी खिलाड़ी निकलेंगी जिन्होंने फुटबॉल वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड बनाने पर (जून 2019) कहा था कि 'यह रिकॉर्ड बनाने वाला गोल उन लोगों को समर्पित है जो इस दुनिया को ज्यादा से ज्यादा समतामूलक बनाने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं'। इसलिए यहां से महिला खिलाड़ियों के लिए बैकवर्ड नहीं, फॉरवर्ड मार्च का सबक निकलना जरूरी है।

दृढ़ संकल्प से ही चमत्कारिक सफलता

रेनू सैनी

चमत्कार का अप्रत्यक्ष नाम दृढ़ संकल्प और मेहनत ही है। किसी भी प्रसिद्ध व्यक्ति के जीवन को देखा जाए तो शायद ही कोई ऐसा व्यक्तित्व मिले जिसे अपने जीवन में असफलता का सामना न करना पड़ा हो। जीत उनको मिली जो थककर बैठे नहीं, बल्कि तनिक विश्राम कर निरंतर धीरे-धीरे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे।

प्रेरक वक्ता निक वुजिसिक का कहना है कि, 'अगर आपके साथ चमत्कार नहीं हो सकता तो खुद एक चमत्कार बन जाइए।' निक वुजिसिक का जन्म बिना हाथ-पैरों के हुआ था। ऐसे में एक सामान्य जीवन कैसे जिया जा सकता है, इस बात को सहज ही समझा जा सकता है। लेकिन निक वुजिसिक ने अपने दृढ़ संकल्प से न केवल सामान्य जीवन जिया, अपितु ऐसी सफलता प्राप्त की जो विरलों को ही प्राप्त होती है। दृढ़ संकल्प प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का अंग बन सकता है। उसके लिए अपने तन-मन को मजबूत बनाना पड़ता है। तन-मन को मजबूत बनाने के लिए तैतरीय उपनिषद के शांति पाठ को पढ़ा जा सकता है। यह पाठ दृढ़ संकल्प विकसित करने का बहुत ही अच्छा स्रोत है।

इसमें ऋषि त्रिशंकु की आध्यात्मिक अनुभूति की अभिव्यक्ति है। इस पाठ का सार है कि, 'मैं सांसारिकता के इस वृक्ष को निर्मूल करने वाला हूं। मेरी महिमा शैलशिखर से भी अधिक ऊंची है। मेरी प्रज्ञा स्वर्ग को प्रकाशित करने वाले सूर्य से भी अधिक ज्योतिर्मय है। मैं अमरता का जीवंत स्वरूप हूं। मेरी श्री, समृद्धि और वैभव चमकती हुई निधि है। मेरी बुद्धि अमरत्व के जल से परिशुद्ध हो चुकी है।' दृढ़ संकल्प के चमत्कार विश्व में हमेशा होते रहे हैं। यदि हम विश्व में घटित 23 जून, 2018 से 10 जुलाई, 2018 तक का इतिहास खंगालेंगे तो थाम लुआंग नैंग नॉन गुफा में फंसे उन फुटबॉल खिलाड़ियों की छवियां आंखों के आगे घूम जाएंगी। जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से मृत्यु को हरा दिया और जीवन पर जीत दर्ज की। उस दौरान कोच एकापोल, गोताखोर जॉन वोलैंथन, रिक स्टैंनन, समन कुनन, डॉ. रिचर्ड हैरिस, डॉ. क्राइग कालेन, एरिक ब्राउन, भारत से किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के विशेषज्ञ एवं विश्व के अन्य दिग्गज लोगों ने अपने प्रयास, संघर्ष, हौसले, मेहनत और योग्यता से जीवन सत्य साबित किया। सत्य यह है कि जब आप मैदान छोड़ने से मना कर देते हैं, हारने से मना कर देते हैं, बाधाओं का डटकर सामना करने के लिए खड़े हो जाते हैं तो हर मुश्किल को मुंह छिपाकर भागना ही पड़ता है।

फिर वह मुश्किल चाहे मौत के वेश में ही क्यों न हो। चमत्कार का अप्रत्यक्ष नाम दृढ़ संकल्प और मेहनत ही है। किसी भी प्रसिद्ध व्यक्ति के जीवन को देखा जाए तो शायद ही कोई ऐसा व्यक्तित्व मिले जिसे अपने जीवन में असफलता का सामना न करना पड़ा हो। जीत उनको मिली जो थककर बैठे नहीं, बल्कि तनिक विश्राम कर निरंतर धीरे-धीरे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। श्रीलंका के मार्वन अटापट्टू सफल क्रिकेटर्स में से एक हैं। वे अपने जीवन का पहला टेस्ट खेल रहे थे और अपनी पहली ही इनिंग में वे शून्य पर आउट हो गए। दूसरी इनिंग में जीरो पर आउट हो गए। यह देखकर टीम सलाहकारों ने उन्हें शृंखला से बाहर कर स्वदेश वापस भेज दिया। शृंखला के बीच में अटापट्टू को लौटते हुए देखकर घरवालों ने उन्हें दिलासा दी और हार न मानने को कहा। इसके बाद करीब 21 महीनों तक घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अवसर मिला। वह बेहद उत्साहित होकर शृंखला खेलने के लिए आए। लेकिन उस शृंखला के पहले मैच की पहली इंनिग में वह फिर से शून्य पर आउट हो गए। अगली इनिंग में उन्होंने केवल एक रन बनाया। टीम ने उन्हें फिर से शृंखला से बाहर कर दिया। जब वे घर लौटे तो इस बार घरवालों ने उन्हें सांत्वना तो दी लेकिन साथ ही यह भी कहा कि क्रिकेट में उनका भविष्य लचर है, इसलिए उन्हें अपने लिए कोई दूसरा विकल्प तलाश लेना चाहिए। घरवालों की बात सुनकर अटापट्टू बोले, 'क्रिकेट मेरे लिए केवल शौक या विकल्प नहीं है, बल्कि जीवन है। इसलिए यदि मैं क्रिकेट नहीं खेलूंगा तो जीवित भी नहीं रह पाऊंगा।' यह सुनकर घरवाले चुप हो गए। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट में फिर से लौटे, वहां उन्होंने 19 महीने संघर्ष किया। फिर टेस्ट क्रिकेट में वापसी की। लेकिन परिणाम फिर से वही रहा। जीरो पर आउट। अटापट्टू इस बार थोड़ा निराश हुए लेकिन हारे नहीं। मीडिया ने उनके बारे में लिखना शुरू कर दिया कि, 'वे अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए बने ही नहीं हैं। इसलिए वह टॉप क्लास के बॉलर को फेस नहीं कर पा रहे हैं।'

अटापट्टू अच्छे-खासे पड़े-लिखे थे। वे चार्टर्ड एकाउंटेंट थे। इस बार घरवाले स्पष्ट बोले, 'क्रिकेट के भूत को उतार दो और अपने कॅरिअर में ध्यान लगाओ।' अटापट्टू ने फिर से उनकी नहीं सुनी और बोले, 'मुझे क्रिकेट में ही कॅरिअर बनाना है।' इस बार फिर से उनके पास टेस्ट कॉल आया। इस टेस्ट में इस बार उन्होंने 50 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक अनगिनत रिकॉर्डों की ऐसी झड़ी लगा दी कि वही मीडिया जो उन्हें बोलता था कि वे अंतर्राष्ट्रीय मैंचों के लिए नहीं बने हैं, उन्होंने उनके बारे में लिखा कि, 'दुनिया का कोई क्रिकेटर ऐसा नहीं है जो मार्वन अटापट्टू के रिकॉर्डों को ध्वस्त कर सके।' इस तरह वे न सिर्फ श्रीलंका के लिए मिसाल बने बल्कि प्रत्येक उन हारे हुए व्यक्तियों के लिए मिसाल बने जो अनगिनत असफलताओं से टूट कर चूर हो जाते हैं।

रामनवमी का हिन्दू धर्म में है खास महत्व

रामनवमी के दिन मर्यादा पुरूषोत्तम राम का जन्म हुआ था जिनको भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। त्रेतायुग में अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु ने यह अवतार लिया था। मृत्यु लोक में जन्म लेकर भगवान ने पापी रावण का नाश किया था। चैत्र शुक्ल पक्ष में नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र के समय में इनका जन्म पृथ्वी पर हुआ था। कर्क लग्न में राजा दशरत के घर में राजा राम ने रानी कौशल्या एक गर्व से जन्म लिया था। रामनवमी के दिन को ही वसंत रात्रि का अंतिम दिन माना जाता है। सूर्य भगवान को मर्यादापुर्षोत्तम राम के पूर्वज के रूप में देखा जाता है इसलिए इस दिन सूर्य देव को जल चढ़ाया जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन इस पर्व को रामनवमी के नाम से मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का यह अंतिम दिन श्री राम को समर्पित है। माता दुर्गा को प्रसन्न करने हेतु इस दिन की गयी पूजा का विशेष महत्व है। नवरात्रि के अंतिम समय को इस पर्व के रूप में मनाया जाता है।

राम का जन्म

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी का जन्म 5114 ईस्वी पूर्व 880100 वर्ष पहले हुआ है।

राम नवमी 2023 पर बन रहे हैं खास योग

गुरु पुष्य योग- रात 10 बजकर 59 मिनट से 31 मार्च को सुबह 06 बजकर 13 मिनट तक, सर्वार्थ सिद्धि योग- 30 मार्च को सुबह 6 बजकर 6 मिनट से रात 10 बजकर 59 मिनट तक, अमृत सिद्धि योग- रात 10 बजकर 59 मिनट से 31 मार्च को सुबह 6 बजकर 13 मिनट तक, रवि योग- 30 मार्च को सुबह 6 बजकर 14 मिनट से 31 मार्च को सुबह 6 बजकर 13 मिनट तक।

रामनवमी पर दक्षिण भारत में होती है विशेष पूजा

चैत्र नवरात्रि का हर दिन सनातन धर्म में बहुत महत्व रखता है। लेकिन नवरात्रि का नवां दिन यानि रामनवमी का पवित्र दिन और भी विशेष हो जाता है। इस दिन भगवान राम की पूजा के साथ-साथ दुर्गा माता की भी पूजा की जाती है। हिंदु धर्म का अनुपम महाकाव्य रामायण वाल्मीकि द्वारा रचित है। त्रेतायुग की राम की कथा का इस महाकाव्य में वर्णन किया गया है। भारत के उत्तरी क्षेत्रों में नवरात्रि को ज्यादा महत्व दिया जाता है, लेकिन दक्षिण भारत में मात्र एक पर्व को मनाया जाता है। इस एक दिन का हिन्दू धर्म में इतना ज्यादा महत्व है कि लोग इस दिन का इंतजार इसलिए करते है कि वह अपने नए घर और दुकान का शुभारंभ कर सकें। रामनवमी के दिन ही वह दुकान और घर की प्रतिष्ठा करके रामनवमी के पर्व की पूजा आरम्भ करते हैं।

पूजा विधि

रामनवमी के इस त्योहर पर लोग सुबह जल्दी उठ कर भगवान श्री राम की आराधना करना शुरू कर देते हैं। मदिरों को सजाया जाता है। पूजा के समय आसन से उठना उचित नहीं माना जाता है, इसलिए पूर्ण पूजा सामग्री को पहले से ही भक्त अपने समीप रखते हैं। पूजा में तुलसी का पत्ता और कमल के फूल को रखने से भगवान जल्दी प्रसन्न होते हैं। षोडशोपचार पूजा की विधि ही पूजा के लाभ को कई गुना बढ़ा देती है। पूजा के प्रसाद में इस दिन खीर और फलों को दिया जाता है। रामचरितमानस के पाठ की इस दिन विशेष महत्ता है। इस पाठ को इस दिन करने से भक्त सभी कष्टों से मुक्त हो जातें हैं।

राम नवमी 2023 मुहूर्त

रामनवमी 30 मार्च 2023 को है पंचांग व हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 29 मार्च 2023 को रात 09 बजकर 07 मिनट पर ही आरंभ हो रही है। जो कि नवमी तिथि की समाप्ति अगले दिन 30 मार्च 2023 को रात 11 बजकर 30 मिनट पर समाप्ति होगी। इसलिए 30 मार्च 2023 को ही है। देवताओं और भक्तों को दुखों से मुक्त करने के लिए भगवान श्री विष्णु ने अपने आठवें अवतार के रूप ने मृत्यु लोक में जन्म लिया।

हंसना मना है

लड़की- लड़के के गले लगकर बोली... कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए, लड़का- ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप...पीछे तेरा बाप खड़ा है...

मेहमान- और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा- बस आपके जाते ही बिस्कुट खाउंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

पति (किताब पढ़ते हुए) - एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए...!!! पत्नी (हंसते हुए) - देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...!!!

पिता- पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा- हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता- कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा-फेसबुक।

गोलू- रात भर मुझे नींद नहीं आई। मोलू- क्यों? गोलू- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं।

पत्नी- सुनो मेरे मुंह में मच्छर चला गया, अब क्या करूं? पति- पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू।

कहानी | डायनासोर की गुफा

सालों पहले मिमसपुर गांव में एक डरावना और उड़ने वाला डायनासोर रहता था। उस गांव में डायनासोर की गुफा भी थी, जहां डायनासोर अक्सर आता-जाता था। वह डायनासोर इतना खतरनाक था कि उसके मुंह से आग भी निकलती थी। हर महीने वो डायनासोर गांव में उड़ते हुए मुंह से आग निकालकर गांव के कई घरों को जला देता था। ऐसे ही हर महीने उस गांव के कई घर और खेत जलकर राख हो जाते थे। हर तरफ उस डायनासोर का डर था। अपने गांव के लोगों को इतना परेशान देखकर राजा ने उस डायनासोर को मारने का फैसला लिया। उन्होंने उसकी गुफा में 10 से 12 सैनिक भेजे। कुछ सैनिकों ने जैसे ही डायनासोर पर चाकू से हमला किया, तो वैसे ही डायनासोर नींद से जग गया और सारे सैनिकों को मार दिया। राजा जितनी बार भी सैनिकों को गुफा में भेजते, वो डायनासोर मुंह से आग निकालकर सभी को खत्म कर देता। इस सबसे परेशान होकर राजा ने गांव में घोषणा कर दी कि जो भी उस खतरनाक डायनासोर को मारेगा उसे वो दस हजार सोने की मोहर देंगे। उसी गांव में एक काफी बुद्धिमान व्यक्ति भी रहता था। उसने जैसे ही यह एलान सुना, तो राजा को डायनासोर के आतंक से बचने का उपाय बता दिया। उसने कहा कि हम लोहे को पिघला लेते हैं और उससे बनने वाले लार्वे को डायनासोर पर डाल देंगे। गर्म लार्वे से बचने के लिए जैसे ही डायनासोर उड़ने लगेगा, तो पत्थरों से टकरा जाएगा और उन्हीं के नीचे दबकर उसकी जान निकल जाएगी। राजा को उसका यह सुझाव अच्छा लगा। उन्होंने अपने सैनिकों को कहकर तुरंत लार्वा तैयार करवाया और सैनिकों के साथ डायनासोर की गुफा में पहुंच गए। फिर ठीक वैसा ही किया जैसा उस बुद्धिमान व्यक्ति ने राजा को करने के लिए कहा था। डायनासोर पर लार्वा जैसे ही गिरा वो इधर-उधर देखे बिना झटके से उड़ने लगा और गुफा से टकरा गया। इसी बीच गुफा के ऊपर के पत्थर उसके ऊपर गिरने लगे और वो उन्हीं के नीचे दबकर मर गया। ऐसा होते ही राजा और पूरे गांव को राहत मिली और राजा ने इस तरकीब को सुझाने वाले व्यक्ति को दस हजार सोने की मोहर इनाम में दे दीं और अपने यहां मंत्री के पद पर भी उसे नियुक्त कर लिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जल्दबाजी में कोई काम ना करें। परिवारजनों के साथ कलह के प्रसंग बन सकते हैं। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहिएगा।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। कार्यों में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा। केवल उल्टा सीधा भोजन करना आपकी सेहत को खराब कर सकता है।

मिथुन

मां दुर्गा की कृपा से घर और ऑफिस में तालमेल बनाने में आप सफल रहेंगे। आपका कोई जरूरी काम आज पूरा हो जायेगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

कर्क

सम्पति के बड़े सौदे लाभदायक रहेंगे। आप में ऊर्जा का संचार रहेगा उसका सही दिशा में उपयोग करें। आर्थिक मामलों में आज अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

सिंह

आपके लिए आज का दिन कमजोर रहेगा। सेहत बिगड़ सकती है। आप बीमार पड़ सकते हैं, इसलिए थोड़ी सावधानी बरतें। विरोधियों से भी सचेत रहने की आवश्यकता होगी।

कन्या

आज कुछ नये लोगों के साथ जुड़ने का मौका मिलेगा। ऑफिस में सहयोगियों के साथ बात करके अच्छा लगेगा। माता महागौरी की कृपा से जीवन खुशिओं से भरा रहेगा।

तुला

अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा। करियर में सफल होने के लिए कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए हर परिस्थिति में खुद को ढालने की कोशिश करें।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। आप अपने प्रयासों से अपने दिन को बढ़िया बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा।

धनु

अगर आप पार्टनरशिप में कोई काम कर रहे हैं, तो आज आपको मुनाफा होगा। बिजनेस पार्टनर आपकी बातों से सहमत होंगे। आप जीवन में यूं ही आगे बढ़ते जायेंगे।

मकर

आज आप अपनी जीवनशैली में और अपने व्यक्तित्व में कुछ परिवर्तन करेंगे। कुछ लोगों को आपकी उदारता पसंद आयेगी। आपको अपने परिवार का भरपूर साथ मिलेगा।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रहेगा। परिवार का माहौल सकारात्मक रहेगा। लोगों में दूसरे के प्रति स्नेह और प्रेम की भावना रहेगी।

मीन

आपको अपने किसी काम के लिये परिवार के लोगों से सराहना मिलेगी। दोस्तों के साथ रिश्तों में अपनापन बना रहेगा। आज आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी।

आध्यात्म के रास्ते पर चलीं दिव्या अग्रवाल

बॉलीवुड | मसाला

टी वी जगत की लोकप्रिय एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल अपनी तस्वीरों और वीडियो के लेकर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। दिव्या रियलिटी शो स्पिलस्टविला 10 में आने के बाद फेमस हुई हैं। कई साल से दिव्या कई फेमस रियलिटी शो का हिस्सा रही हैं। दर्शक भी दिव्या को देखना बहुत पसंद करते हैं। कुछ दिनों पहले ही अभिनेत्री अपने बॉयफ्रेंड को लेकर काफी चर्चा में थी। अब एक्ट्रेस ने अपने जीवन का एक बड़ा खुलासा किया है। हाल ही में, टीवी एक्ट्रेस दिव्या ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने फैंस को बताया कि वह अब आध्यात्म के रास्ते पर चल रही हैं। दिव्या के इस फैसले को फैंस अपना पूरा सपोर्ट दे रहे हैं। दिव्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक खबर शेयर की कि वह अब एक वेरिफाइड टीचर हैं। इसके साथ ही उन्होंने लेवल एक और लेवल दो कोर्स के सर्टिफिकेट की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'पिछले कुछ दिन मेरे लिए वाकई खास रहे हैं। मैं हमेशा आध्यात्मिकता की शौकीन थी और मानती थी कि मैं हमेशा बेहतर महसूस करती हूं किसी को और सभी के जीवन को बेहतर बनाने के लिए। मैं दो साल पहले एक खूबसूरत आत्मा से मिली, जिसने मुझे जीवन की एक अलग रोशनी दिखाई।'

दिव्या ने आगे कहा, 'मुझे आप सबसे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि मैं एक वेरिफाइड हीलर हूं। इस दुनिया का जो सच है और जिसे जानकर ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है, वह सब कुछ हमारे भीतर है। मैं चाहती हूं कि मेरे आसपास की दुनिया में सब कुछ ठीक रहे। मेरे जीवन के इस नए पड़ाव में आने के लिए मैं खुद पर गर्व महसूस कर रही हूं।'

दिव्या की इस पोस्ट पर फैंस अपना जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'दिव्या आपको अपने इस नए सफर के लिए शुभकामनाएं। आप ऐसे ही आगे बढ़ती रहें।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'दिव्या आप को इस बात के महत्व का पता चला। यह जानकर बहुत खुशी हो रही है।' एक और यूजर ने लिखा, 'दिव्या यह खबर सुनकर हमें बहुत ही खुशी हो रही है।'

आपको बता दें कि दिव्या एमटीवी स्प्लिट्सविला 10 की रनर अप और एस ऑफ स्पेस 1 और बिग बॉस ओटीटी की विनर हैं। इस रियलिटी शो के बाद दिव्या ऑडियंस के बीच एक जाना माना चेहरा बनकर उभरी है।

राजकुमार राव की भीड़ बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह हुई फुस्स

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की लीड रोल वाली भीड़ क्रिटिक्स से मिले अच्छे रिव्यू के बावजूद ऑडियंस को अट्रैक्ट नहीं कर पाई है। अनुभव सिन्हा के डायरेक्शन में बनी सोशल ड्रामा फिल्म 24 मार्च 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी और पहले ही दिन से भीड़ बॉक्स ऑफिस पर रेंग रही है। चलिए यहां जानते हैं। कोरोनाकाल के दर्दनाक मंजर की कहानी पर्दे पर बयां करती इस फिल्म का मंडे रिजल्ट कैसा रहा है?

साल 2020 के कोरोना काल के दौरान लगाए गए लॉकडाउन में हर आमजन खासकर प्रवासी श्रमिकों को बहुत तकलीफ से गुजरना पड़ा था। आज भी वो खौफनाक मंजर सिहरन पैदा कर देता है। अनुभव सिन्हा ने इसी कोरोनाकाल की भयानक कहानी को अपनी लेटेस्ट रिलीज के जरिए पेश किया था। हालांकि फिल्म को लेकर जो उम्मीद की जा रही थी उस पर पूरी तरह पानी फिर चुका है। फिल्म का पहले ही दिन से टिकट खिड़की पर बुरा हाल है।

वहीं अब भीड़ के सोमवार यानी रिलीज के चौथे दिन के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं। सैकलिन की रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को भीड़ 20 लाख का कारोबार कर सकती है। जिसके बाद फिल्म की कुल कमाई महज 1.95 करोड़ ही होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बालीवुड की राजनीति से ऊबकर हालीवुड का रुख किया : प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी दमदार एक्टिंग से आज अपनी खास पहचान बना ली है। जल्द ही एक्ट्रेस रिचर्ड मैडेन स्टारर रुसो ब्रदर्स की 'सिटाडेल' में नजर आएंगी। इसके अलावा भी प्रियंका कई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट का हिस्सा है। वहीं, हाल ही में एक पोडकास्ट में प्रियंका से पूछा गया था कि किस वजह से उन्होंने काम के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया था? इस पर प्रियंका ने पहली बार खुलकर बात की और कहा कि उन्हें बॉलीवुड के कुछ लोगों से दिकक्त थी और वह राजनीति से थक चुकी थीं। डैक्स शेपर्ड के पॉडकास्ट 'आर्मचेयर एक्सपर्ट' पर प्रियंका चोपड़ा से उनके अमेरिका में काम करने के फैसले के पीछे का कारण पूछा गया था। इसके जवाब में प्रियंका ने कहा, मैंने इस बारे में कभी बात नहीं कि लेकिन आप मुझे सुरक्षित महसूस करा रहे हैं इसलिए इस पर बात कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'देसी हिट्स की अंजुला आचार्य ने उन्हें एक वीडियो में देखा, और उसने उन्हें फोन किया। उस दौरान प्रियंका 'सात खून माफ' की शूटिंग कर रही थी। अंजलि ने प्रियंका से कहा कि उसने डेमो सुना था और पूछा कि क्या वह अमेरिका में म्यूजिक कैरियर में दिलचस्पी रखती हैं। प्रियंका ने कहा कि यह उस समय हुआ जब वह भी बॉलीवुड से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रही थीं। प्रियंका ने कहा, मुझे इंडस्ट्री में एक कोने में धकेला जा रहा था। लोग मुझे कास्ट नहीं कर रहे थे, मुझे शिकायत थी। मैं उस गेम को खेलने में अच्छी नहीं हूं इसलिए मैं राजनीति से थक गई थी और मैंने कहा कि मुझे एक ब्रेक की जरूरत है। प्रियंका ने आगे कहा, इस म्यूजिक ने मुझे दुनिया के दूसरे हिस्से में जाने का मौका दिया। मैं उन फिल्मों के लिए तरसती नहीं थी जिन्हें मैं नहीं करना चाहती थी।

इस स्कूल में लड़के व लड़कियों के लिए है समान यूनिफॉर्म, गांव ने दिया तीन-चौथाई क्रांति का नाम

केरल के एर्नाकुलम जिले के वलयनचिरंगारा सरकारी लोअर प्राइमरी स्कूल ने लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए लिंग-तटस्थ वर्दी को अपनाकर एक नया ट्रेंड स्थापित किया है। सभी छात्र अब शर्ट और तीन-चौथाई पहनते हैं, जिससे लड़कियों को बिना किसी हिचकिचाहट के आवाजाही करने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है। निर्णय को कुछ ग्रामीणों, शिक्षकों और छात्रों के माता-पिता के नेतृत्व में एक शांत क्रांति के परिणाम के रूप में देखा जा रहा है-वे इसे तीन-चौथी क्रांति कहते हैं। स्कूल में दो विंग हैं-प्री-प्राइमरी और लोअर प्राइमरी-कुल 746 छात्रों के साथ। जेंडर न्यूट्रल यूनिफॉर्म पहली बार 2017 में प्री-प्राइमरी छात्रों के लिए शुरू किया गया था। अब इसे कक्षा पहली से चौथी तक बढ़ा दिया गया है। इस वर्दी को पेश करने वाले पूर्व प्रधानाध्यापिका सी राजी कहते हैं कि यह एक अच्छी दृष्टि वाला स्कूल है। जब हम स्कूल में लागू करने के लिए कई कारकों के बारे में बात कर रहे थे तो लैंगिक समानता मुख्य विषय था। इसलिए वर्दी के बारे में दिमाग में आया। जब मैं सोच रहा था कि इसके साथ क्या करना है, तो मैं देख सकता था कि जब स्कर्ट की बात आती है तो लड़कियों को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बदलाव के विचार पर सभी के साथ चर्चा की गई थी। उस समय 90 फीसदी माता-पिता ने इसका समर्थन किया था। बच्चे भी खुश थे। मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस होता है कि अब इस पर चर्चा हो रही है। एनपी अजयकुमार पूर्व स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने कहते हैं कि छात्रों और अभिभावकों के मन में लैंगिक समानता होनी चाहिए। स्कर्ट पहनने पर लड़कियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शौचालय जाने और खेलते समय समस्याएं होती हैं। वह भी एक कारक है। यह पोशाक लिंग-तटस्थ वर्दी की अवधारणा से ली गई है। यह 105 साल पुराना स्कूल है। इसलिए, किसी का कोई महत्वपूर्ण विरोध नहीं था। अकादमिक समिति के निर्णय को सभी ने स्वीकार कर लिया। इसे हमारी अपेक्षा से अधिक मान्यता मिली। वर्तमान हेडमिस्ट्रेस प्रभारी सुमा केपी बताते हैं कि हालांकि यह निर्णय 2018 में लागू किया गया था। इस वर्दी ने बच्चों को बहुत आश्वास्त किया। यह वर्दी कुछ भी करने में बहुत मददगार है, खासकर लड़कियों के लिए। वे और उनके माता-पिता इस फैसले से बहुत खुश हैं। इस निर्णय के पीछे यह विचार है कि लड़कों और लड़कियों को समान स्वतंत्रता और खुशी मिलनी चाहिए।

अजब-गजब | नवरात्रि में लगती है भारी भीड़

हिमाचल के इस मंदिर में संतान प्राप्ति के लिए है अनोखी मान्यता

अभी चैत्र नवरात्रि चल रही है। नवरात्रि में लोग माता के मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना करते हैं। हमारे देश में देवी मां के ऐसे अनेकों मंदिर हैं जो चमत्कारिक माने जाते हैं। इन अनोखे मंदिरों से जुड़ी हुई हैं अनोखी मान्यताएं। इन मंदिरों के बारे में तरह-तरह के चमत्कारों से जुड़ी मान्यताएं प्रचलित हैं। माता का ऐसा ही मंदिर है, जहां संतानहीन लोगों को संतान सुख की प्राप्ति होती है। यह अनोखा मंदिर हिमाचल प्रदेश में है। यह मंदिर यहां की दुर्गम पहाड़ियों में स्थित सिमस नाम के गांव में है। ऐसी मान्यता है कि जो भी महिला इस मंदिर के फर्श पर सोती है, वह गर्भवती हो जाती है।

वहीं इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि देवी मां खुद सपने आकर संतान प्राप्ति का आशीवार्द देती हैं। दूर-दूर से हजारों निःसंतान महिलाएं इस मंदिर के फर्श पर सोने के लिए आती हैं। इस मंदिर को संतानदात्री के नाम से जाना जाता है। नवरात्रों में यहां सलिन्दरा उत्सव मनाया जाता है, जिसका अर्थ है सपने आना।

हर साल नवरात्रों में इस मंदिर में भीड़ लगती है। दूर-दूर से महिलाएं नवरात्रों में इस मंदिर में आती हैं। नवरात्रों दौरान निःसंतान महिलाएं दिन रात मंदिर के फर्श पर सोती हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से वो जल्द से जल्द प्रेगनेंट हो जाती हैं। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि माता सिमसा सपने में महिला को फल देती हैं तो उस महिला को संतान का आशीर्वाद मिल जाता है। इतना ही नहीं बताया जाता है कि यहां यह भी पता चल जाता है कि लड़का होगा या लड़की। कहा जाता है कि यदि किसी महिला को अमरूद का फल मिलता है तो उसे लड़का प्राप्त होने का आशीर्वाद मिलता है और अगर किसी को भिन्डी प्राप्त होती है तो लड़की। वहीं अगर किसी महिला को निसंतान बने रहने का स्वप्न दिखता है और इसके बाद भी वह मंदिर से नहीं जाती तो उसके शरीर में खुजली भरे लाल-लाल दाग उभर आते हैं।

भाजपा के एक बड़े नेता ने बताया अडाणी की कंपनी में लगा है पीएम मोदी का पैसा : अरविंद केजरीवाल

» अडाणी मामले पर विस में संकल्प पत्र पारित, ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल कर छीन रहे कंपनियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल कर लोगों की कंपनियां छीनी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा के एक बड़े नेता के साथ हुई चर्चा का जिक्र करते हुए दावा किया कि अडाणी तो मात्र फ्रंट पर हैं, सारा पैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगा है। अदाणी सिर्फ पैसे को मैनेज करता है। अगर जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) जांच हो गई तो अदाणी नहीं, बल्कि मोदी डूबेंगे। इस कारण प्रधानमंत्री हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद भी अदाणी को बचाने में जुटे हैं।

विधानसभा के बजट सत्र में अदाणी मामले को लेकर संकल्प पत्र पास हुआ। इसमें बताया गया कि 10 अक्टूबर 2018 को कृष्णापट्टनम पोर्ट के ऊपर आयकर विभाग ने छापा मारा था। डेढ़ साल बाद 6

अप्रैल 2020 को पूरा पोर्ट अदाणी ने खरीद लिया। 10 दिसंबर 2020 को एसीसी और अंबुजा सीमेंट पर छापे मारे गए। 16 अक्टूबर 2022 को दोनों सीमेंट प्लांट अदाणी के पास चले गए। इसी तरह अन्य कंपनी भी अदाणी को मिलीं। इसके अलावा खदानों से हर साल 2800 करोड़ रुपये का कोयला भी उन्हें फ्री में जाता है।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस से 10 गुना ज्यादा मात्र 7-8 साल में लूट लिया

केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के कम पढ़े-लिखे होने की बात कहते हुए कहा कि उन्हें अदाणी पैसा लगाने के बारे में बताते हैं। वर्ष 2014 में अदाणी की संपत्ति 50 हजार करोड़ रुपये की थी और सात साल में बढ़कर 11.50 लाख करोड़ रुपये हो गई। प्रधानमंत्री दोनों हाथों से देश को लूट रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस से 10 गुना ज्यादा मात्र 7-8 साल में लूट लिया। आजादी के बाद सबसे भ्रष्ट प्रधानमंत्री हैं नरेंद्र मोदी। अदाणी नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी बने थे और वे दुनिया के सबसे अमीर आदमी बनना चाहते हैं। मोदी ने श्रीलंका जाने के दौरान वहां के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे पर दबाव डालकर श्रीलंका का विंड प्रोजेक्ट अदाणी को दिलवाया। उन्होंने बांग्लादेश को 25 साल के लिए 1500 मेगावॉट बिजली बेचने का प्रोजेक्ट भी अदाणी को दिलवा दिया। उन्होंने इस्राइल के साथ भारत के हुए कई रक्षा सौदे अदाणी को दे दिए। इसी तरह उन्होंने देश के छह एयरपोर्ट देने के लिए उनके अनुकूल शर्तें तय कर निजीकरण के लिए नीलामी की।

सदन में कई बार हंगामा

विधानसभा में अल्पकालिक चर्चा कराने के मामले में कई बार हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष ने सत्ता पक्ष के एक निजी कंपनी के कारण केंद्र सरकार को हो रहे नुकसान पर चर्चा के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। वहीं, विपक्ष का दिल्ली सरकार के अनेक विभागों में भ्रष्टाचार के मामले सामने आने पर चर्चा के प्रस्ताव को रद्द कर दिया। विपक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध करते हुए हंगामा किया। इस कारण विधानसभा अध्यक्ष ने बैठक स्थगित कर दी, जबकि लंच के बाद हंगामा करने पर उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को सदन से बाहर कर दिया। इसके विरोध में भाजपा के सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार किया। बैठक की कार्यवाही आरंभ होते ही अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने सत्तापक्ष के प्रस्ताव पर अल्पकालिक चर्चा कराने का निर्णय लिया। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने निर्णय का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि सदन में उन प्रस्तावों पर चर्चा नहीं कराई जाती है, जबकि उन विषयों को चर्चा के लिए चुना जाता है जो विधानसभा के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं।

बीजेपी ने पूरे मध्यप्रदेश को बनाया रंगमंच : कमलनाथ

» सीएम शिवराज बोले- कहां गई लोकशाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से सियासत भी गरमा गई है। मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच सवाल-जवाब का सिलसिला लगातार जारी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कमलनाथ से फिर सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी कहां गई लोकशाला, कहां गया रंगमंच। इस पर पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने पलटवार कर कहा कि पूरा प्रदेश ही आपकी एक्टिव का रंगमंच हैं।

पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी आज आपने जो सवाल पूछा है, वह दिल से पूछा है। यह तो मैं ही क्या, पूरा प्रदेश जानता है कि आप मझे हुए अभिनेता हैं। पूरा प्रदेश ही आपकी एक्टिंग का रंगमंच है। आपने

रंगमंच निर्माण की जो बात की है, तो मेरी हार्दिक अभिलाषा है कि आप माया नगरी मुंबई जाकर फिल्मों और धारावाहिक में अभिनय करें। यह बात तो मैंने कई बार सार्वजनिक मंच से भी कही है। लेकिन आपकी इच्छा है तो कांग्रेस सरकार बनने पर इस परियोजना में आपकी पूरी मदद की जाएगी। सीएम ने कहा कि कमलानाथ जी हमने तो युवा नीति लांच करते ये फैसला कर दिया कि जनजातीय को तीन महीने की अवधि के लिए 10 हजार रुपए फेलोशिप देंगे।

स्मार्ट सिटी लखनऊ की बैठक में विकास पर हुई चर्चा

» मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की बैठक की अध्यक्षता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सिटी लेवल अडवाइजरी फोरम की 11 वी बैठक स्मार्ट सिटी लखनऊ कार्यालय के सभागार में की गई है। इस मीटिंग की अध्यक्षता इंद्रजीत सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मार्ट सिटी लखनऊ ने किया। सिटी लेवल अडवाइजरी फोरम की बैठक में स्मार्ट सिटी लखनऊ की अवधारणा एवं उसके द्वारा किये जा रहे कार्यो के साथ पूर्ण हो चुके कार्यो पर चर्चा की गई।

चर्चा के मुख्य बिंदु में जनेश्वर मिश्र पार्क गोमती नगर में बन रहे म्यूजिकल फाउंटेन के निर्माण एवं उसके डिजाइन पर चर्चा की गई। इंटेक द्वारा अमीर उद दौला पुस्तकालय में किताबो का संरक्षण तथा डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। स्मार्ट सिटी लखनऊ के स्मार्ट इनिसिएटिव कार्यक्रम जिसके तहत बच्चों के हेल्थ कार्ड एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने से लेकर उनकी मनोस्थिति का कार्य किया जाना प्रावधानित है, साथ ही साथ मिशन भरोसा कार्यक्रम के

अंतर्गत स्कूल वैन से विद्यालय जाने वाले बच्चों के प्रति माता पिता की चिंता को दूर करने हेतु कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया है। इन दोनों कार्यक्रमो को मीटिंग में शामिल हुए लोगो द्वारा सराहा गया।

के डी सिंह बाबू स्टेडियम में अवस्थापना सुविधा एवं बुनियादी ढांचे को मजबूत करने हेतु किये जा रहे कार्य जैसे लाइटिंग, ट्रैक, टॉयलेट एवं रेस्ट रूम्स को तेजी से किया जा रहा है। इसके साथ अर्बन नोड्स पर वृहद चर्चा की गई। अर्बन नोड्स के निर्माण में आ रही समस्या एवं उसके निस्तारण को लेकर सुझाव भी आये।

उक्त मीटिंग में मुकेश शर्मा, एमएलसी, श्रीमती संयुक्ता भाटिया, निवर्तमान महापौर नगर निगम लखनऊ, दिवाकर त्रिपाठी, प्रतिनिधि, सांसद लखनऊ, मनीष गुप्ता, राज्यमंत्री, रघुवेन्द्र शुक्ल,ओएसडी, सांसद लखनऊ, जेपी पांडेय, प्रतिनिधि सांसद मोहनलालगंज, मनीष अग्रवाल उपाध्यक्ष एसोचैम एवं मनीष खेमका इत्यादि उपलब्ध रहे।

पंजाब से बेयरस्टो तो दिल्ली से पंत बाहर

» आईपीएल 2023 की शुरुआत 31 मार्च से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 की शुरुआत 31 मार्च से हो रही है। सभी टीमें इस टूर्नामेंट की तैयारी में जुट गई हैं। हालांकि, कई टीमों को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही बड़ा झटका लगा है। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। वहीं, मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोट की वजह से इस सीजन नहीं खेलेंगे। पंजाब किंग्स के लिए जॉनी बेयरस्टो इस सीजन नहीं दिखेंगे।

वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स के श्रेयस अय्यर चोट के चलते शुरुआती मुकाबलों से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह नीतीश राणा को टीम की कमान सौंपी गई है। ऐसे में हम सभी 10 टीमों में शामिल खिलाड़ियों की ताजा सूची आपको बता रहे हैं।

इस टूर्नामेंट से पहले सबसे बड़ा झटका दिल्ली की टीम को लगा है, जिसके कप्तान ऋषभ पंत कार हादसे का शिकार होने के बाद पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। पंत कई सर्जरी करा चुके हैं और वह इस साल के अंत तक क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर सकते हैं। दिल्ली ने पंत की जगह डेविड वॉर्नर को अपना नया कप्तान बनाया है। हालांकि, पंत की जगह किसी दूसरे खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है।

जसप्रीत बुमराह भी इस सीजन में नहीं खेलेंगे

दिल्ली के अलावा मुंबई को भी बड़ा झटका लगा है। मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के चलते इस सीजन में नहीं खेलेंगे। बुमराह ने अपनी पीठ की सर्जरी कराई है और उनका वनडे विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। मैदान में लौटने के बाद उनके लिए फिटनेस हासिल करना बड़ी चुनौती होगी। कोलकाता की टीम भी मुश्किल में फंसी हुई है, क्योंकि श्रेयस अय्यर पीठ की चोट से जूझ रहे हैं। खबरों के अनुसार एनसीए ने उन्हें सर्जरी कराने की सलाह दी है, लेकिन वह फिलहाल आईपीएल टीम के साथ हैं और सर्जरी को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। हालांकि, वह शुरुआती मैचों से बाहर हो चुके हैं।

बड़े बहुमत के साथ सत्ता में करेंगे वापसी : बोम्मई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। तारीखों के एलान के बाद सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस, दोनों ही पार्टियों ने दावा किया है कि वह चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भाजपा और बड़े बहुमत से सत्ता में वापसी करेगी। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार हुआ और उन्होंने दावा किया कि चुनाव में जनता, भाजपा को खारिज कर देगी।

हम पूरी तरह चुनाव के लिए तैयार : डीके शिवकुमार

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। हम चाहते हैं कि यह सरकार बर्खास्त हो। यह चुनाव विकास आधारित और भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश और देश के लिए होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर है और प्रधानमंत्री मोदी इसे बढ़ावा दे रहे हैं। वह अपनी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

कर्नाटक में 40 फीसद की सरकार : खरगे

नई दिल्ली। चुनावों की तारीखों के एलान होते ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी पर कड़ा वार किया है। खरगे ने कहा, कर्नाटक में 40 फीसद की सरकार है। वहां एक-एक एमएलए के पास 8-10 करोड़ है लेकिन उनपर कोई एक्शन नहीं होता। विपक्ष के नेता जिनके पास कुछ नहीं मिलता उनके लिए इडी, सीबीआई को बुलाते हैं। कांट्रेक्टर खुद पीएम को खत लिखते हैं लेकिन कुछ नहीं होता।

संसद में फिर नहीं हुआ काम

नई दिल्ली। संसद की कार्यवाही एक बार फिर हंगामें के बाद ठप हो गई। बजट सत्र के दूसरे चरण का के आखिरी सप्ताह का तीसरा दिन भी बिना बिना काम के समाप्त हो गया। सत्तापक्ष व विपक्ष में नोकझोंक बराकर रही। कांग्रेस जहां राहुल की अयोग्यता पर मोदी सराकर को घेर रही है तो बीजेपी अपमान का राग अलापरही। उधर मंगलवार को भाजपा से अडानी के रिश्ते और संसद से कांगेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने के सवाल पर कांग्रेस सांसदों के साथ कई विपक्षी दलों के सांसदों ने काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन किया।

भाजपा विधायक मदल को पांच दिन की हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। रिश्वत मामले में फंसे कर्नाटक के बीजेपी विधायक मदल विरुपक्षप्पा को एक विशेष अदालत ने 5 दिन की लोकायक्त पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जज बी जयंत कुमार ने उनको पांच दिन की लोकायुक्त पुलिस हिरासत में भेजे जाने का आदेश दिया है। इससे पहले कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा बीजेपी विधायक की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी।

बता दें कि विधायक विरुपक्षप्पा को रिश्वत मामले में 27 मार्च को तुमकुरु के क्याथासंद्रा टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया गया था। भाजपा विधायक को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह एक कायक्रम में शामिल होने के बाद चन्नागिरी से बेंगलुरू जा रहे थे।

यूपीआई से पेमेंट करना होगा महंगा, अप्रैल से लगेगा चार्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक अप्रैल से महंगाई का एक और झटका लगा है। यूपीआई से पेमेंट करना अब महंगा होगा। 1 अप्रैल से यूपीआई से पेमेंट करने पर आपको चार्ज देना होगा। यानी 1 अप्रैल से जीपे, फोनपे , पेटीएम ऐप से पेमेंट करने पर चार्ज देना पड़ सकता है।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने इस बारे में एक सर्कुलर जारी किया है। जिसके मुताबिक यूपीआई से मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर फीस लगाने का सुझाव दिया गया है। इसका मतलब ये है कि 1 अप्रैल से मर्चेंट के साथ की जाने वाली लेनदेन पर आपक अतिरिक्त चार्ज लगेगा। यूपीआई से पमेंट करने की आदत आज आम लोगों को लग चुकी है।

2000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर देना होगा पैसा

ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस सुझाव के बाद 2000 रुपए से अधिक से यूपीआई पेमेंट पर पीपीआई फीस यानी एक्सट्रा चार्ज लगाने की तैयारी कर रहा है। अगर ये होता है तो 2000 रुपये से अधिक के लेनेदेन पर 1.1 प्रतिशत का चार्ज लग सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यूपीआई से होने वाले ट्रांजैक्शन का 70 फीसदी ट्रांजैक्शन 2 हजार रुपये से अधिक वैल्यू की होती है। ऐसे लोगों को अब फोनपे, यूपीआई, गूगलपे, पेटीएम जैसे डिजिटल ट्रांजैक्शन के लिए एक्सट्रा चार्ज देना पड़ सकता है।

सजा के बाद अतीक अहमद को भेजा गया साबरमती जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेश पाल अपहरण मामले में प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले के बाद अतीक अहमद को फिर से साबरमती जेल भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि अतीक समेत तीन दोषियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही जुर्माना भी लगाया है।

राजस्थान के कोटा के अनंतपुर थाने के अंदर अतीक अहमद को कुछ देर के लिए रोका गया। माफिया अतीक को ले जा रहा पुलिस का काफिला उदयपुर से निकलकर गुजरात में दाखिल होगा। राजस्थान के कोटा से काफिला निकल रहा है। साबरमती वापस जाते समय चित्रकूट में पुलिस लाइन में अतीक अहमद का काफिला रुका तो उसने पत्रकारों से बातचीत की। उसने कहा कि वह और उसका भाई अशरफ दोनों इस अपहरण के मामले में हाईकोर्ट में अपील करेंगे। यह पूरा मामला फर्जी है। यह अपहरण भी फर्जी था और असली अपहरण यह नहीं था। इस फैसले से हम संतुष्ट नहीं हैं और हाईकोर्ट जाकर अपील करेंगे।

सहारा के निवेशकों को मिली 'सुप्रीम' राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सहारा की चिट फंड योजनाओं में पैसे फंसा चुके लोगों को सुप्रीम कोर्ट की ओर से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी-सहारा फंड से 5 हज़ार करोड़ रुपए इन निवेशकों के लिए जारी करने की केंद्र सरकार को अनुमति दे दी है। निवेशकों से धोखाधड़ी के एक दूसरे मामले में 2012 में बने इस फंड में लगभग 24 हज़ार करोड़ रुपए जमा हैं।

दरअसल केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसमें सरकार ने कहा था कि कई चिट फंड कंपनियों और सहारा क्रेडिट फर्मों में निवेश करने वाले जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस लौटाया जाए। सुप्रीम कोर्ट से याचिका स्वीकार होने के बाद अब केंद्र सरकार 24000 करोड़ के कुल फंड में से निवेशकों को 5000 करोड़ का आवंटन कर सकेगी। इस रकम से 1.1 करोड़ निवेशकों के पैसों का भुगतान किया जा सकेगा।

लोगों का वापस होगा भुगतान, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दी अनुमति

हाईकोर्ट की निगरानी में वापस होगा पैसा

न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि सहारा समूह की सहकारी समितियों द्वारा ठगे गए जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस किया जाए।

पुलिस को चकमा देकर फिर भागा अमृतपाल!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। 12 दिनों बाद भी पुलिस को अमृतपाल पकड़ नही पाई। पुलिस ने 37 किमी तक उसका पीछा किया पर होशियारपुर के नाका पर वह फिर चमका देकर भागा गया। हालांकि पुलिस का दावा है कि खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी जल्द हो सकती है।

ज्ञात हो उसे पंजाब के होशियारपुर में घेरा गया। वह यहां एक कार में जा रहा था। पुलिस ने पीछा किया तो वह फिर पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। हालांकि जिन खेतों की तरफ वह कूदकर भागा है, पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेर लिया है। फिलहाल यह भी साफ नहीं है कि वह अमृतपाल सिंह ही है। हालांकि जिस तरह से कार के अंदर से दो संदिग्ध भागे हैं उनके अमृतपाल सिंह और पप्पलप्रीत होने की बात कही जा रही है। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए सर्च ऑफरेशन शुरू कर दिया है। चारों तरफ से इलाके को घेर लिया गया है। अमृतपाल सिंह को किसी भी समय गिरफ्तार किया जा सकता है। अमृतपाल सिंह की तलाश में घर-घर तलाशी अभियान चल रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उसका 37 किलोमीटर तक पीछा किया लेकिन वह चकमा देने में कामयाब रहा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अमृतपाल सिंह जालंधर जा रहा था। उसका प्लान था कि वह यहां एक इंटरनैशनल चैनल को इंटरव्यू देकर अपना पक्ष रखेगा और फिर कोर्ट में जाकर सरेंडर कर देगा।

होशियारपुर के एक नाके पर दिखा

अमृतपाल के करीब पुलिस : पंजाब सरकार

उधर पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट में दावा किया था कि पुलिस अमृतपाल के बेहद करीब है। उसे बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वकील ईमान सिंह की दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर अदालत सुनवाई कर रही थी। याचिका में दावा किया गया कि अमृतपाल पुलिस की अवैध हिरासत में है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।